मासिक समाचार पत्र

डी. एन. एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना

राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली की संस्था
(सहकारिता मंत्रालय,भारत सरकार के अधीन)
शास्त्री नगर, पटना, बिहार-800023

(मार्च , २०२५) भाग – ३

डॉ. के. पी. रंजन, निदेशक

संपादक मंडल:

1. सुश्री तन्वी प्रिया, संकाय सदस्य
2. डॉ फ़ैयाज़ हुसैन, संकाय सदस्य
3. श्री रवि शेखर, संकाय सदस्य
4. श्री समीर राज, लाइब्रेरियन
5. श्री सन्नी कुमार, सहायक
6. श्री आशीष आनंद, सोशल मीडिया सहायक

आतंरिक पृष्ठों की झलक ~

1. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी |
2. दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी |
3. अन्य गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी एवं चित्रण।
4. सामूहिक छायाचित्र।

निदेशक की कलम से...

प्रिय सहकारी बंधुओं / साथियों,

नमस्कार!

हमें यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि मार्च माह का मासिक समाचार पत्र, जो इस तिमाही का संयुक्त त्रैमासिक संस्करण भी है, आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। यह अंक हमारे संस्थान की गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का एक समग्र प्रतिबिंब है।

इस विशेष अवसर पर हमें यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व है कि डी. एन. एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना में नवनिर्मित छात्रावास भवन का उद्घाटन भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा किया गया। यह हमारे संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो हमारे संस्थान के प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सुविधा एवं संस्थान की प्रगति में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

आशा है कि यह संस्करण आपको प्रेरणा प्रदान करेगा और सहकारिता क्षेत्र में हमारे प्रयासों की एक झलक प्रस्तुत करेगा। आपके सहयोग के लिए मैं हृदय से आभारी हूं और आशा करता हूं कि आपका यह विश्वास हमारे साथ बना रहेगा।

सादर,

डॉ. के. पी. रंजन
निदेशक
डी. एन. एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना

ई-मेल: dnsricmpatna1@gmail.com
dir-ricmpatna-bih@gov.in
वेबसाइट: https://dnsricmpatna.org

- Facebook: https://www.facebook.com/DNSPatna
- Instagram: https://www.instagram.com/dnsricmpatna/
- Youtube: https://www.youtube.com/@DNSRICMPatna
- X(Twitter): https://x.com/dnsricmpatna
- LinkedIn: https://www.linkedin.com/in/d-n-s-regional-institute-of-cooperative-management-patna/

नवनिर्मित छात्रावास भवन का विवरण

डी. एन. एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना

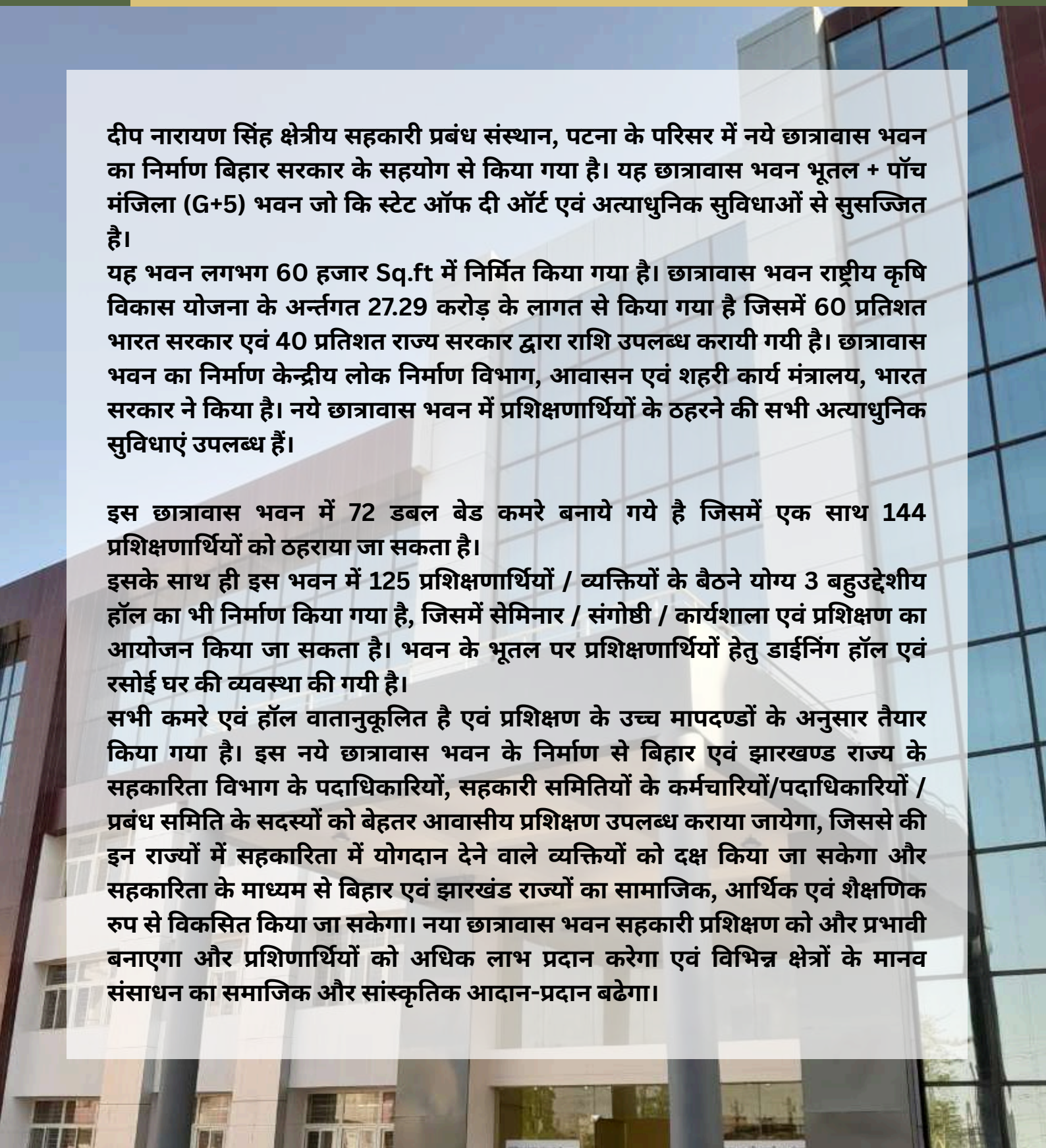

दीप नारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना के परिसर में नये छात्रावास भवन का निर्माण बिहार सरकार के सहयोग से किया गया है। यह छात्रावास भवन भूतल + पॉच मंजिला (G+5) भवन जो कि स्टेट ऑफ दी ऑर्ट एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

यह भवन लगभग 60 हजार Sq.ft में निर्मित किया गया है। छात्रावास भवन राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अर्न्तगत 27.29 करोड़ के लागत से किया गया है जिसमें 60 प्रतिशत भारत सरकार एवं 40 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा राशि उपलब्ध करायी गयी है। छात्रावास भवन का निर्माण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने किया है। नये छात्रावास भवन में प्रशिक्षणार्थियों के ठहरने की सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इस छात्रावास भवन में 72 डबल बेड कमरे बनाये गये है जिसमें एक साथ 144 प्रशिक्षणार्थियों को ठहराया जा सकता है।

इसके साथ ही इस भवन में 125 प्रशिक्षणार्थियों / व्यक्तियों के बैठने योग्य 3 बहुउद्देशीय हॉल का भी निर्माण किया गया है, जिसमें सेमिनार / संगोष्ठी / कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया जा सकता है। भवन के भूतल पर प्रशिक्षणार्थियों हेतु डाईनिंग हॉल एवं रसोई घर की व्यवस्था की गयी है।

सभी कमरे एवं हॉल वातानुकूलित है एवं प्रशिक्षण के उच्च मापदण्डों के अनुसार तैयार किया गया है। इस नये छात्रावास भवन के निर्माण से बिहार एवं झारखण्ड राज्य के सहकारिता विभाग के पदाधिकारियों, सहकारी समितियों के कर्मचारियों/पदाधिकारियों / प्रबंध समिति के सदस्यों को बेहतर आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे की इन राज्यों में सहकारिता में योगदान देने वाले व्यक्तियों को दक्ष किया जा सकेगा और सहकारिता के माध्यम से बिहार एवं झारखंड राज्यों का सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रुप से विकसित किया जा सकेगा। नया छात्रावास भवन सहकारी प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाएगा और प्रशिणार्थियों को अधिक लाभ प्रदान करेगा एवं विभिन्न क्षेत्रों के मानव संसाधन का समाजिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढेगा।

अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

तालिका

- नालन्दा और मुजफ्फरपुर जिलों के मत्स्य सहकारी समिति के सदस्यों/कृषकों के लिए "मत्स्य पालन" पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम |
- सीतामढ़ी और पूर्वी चम्पारण जिलों के मत्स्य सहकारी समिति के सदस्यों/कृषकों के लिए "मत्स्य पालन" पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम |
- पश्चिम चम्पारण और वैशाली जिलों के मत्स्य सहकारी समिति के सदस्यों/कृषकों के लिए "मत्स्य पालन" पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम |
- सारण और गोपालगंज जिलों के मत्स्य सहकारी समिति के सदस्यों/कृषकों के लिए "मत्स्य पालन" पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम |
- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 03.03.2025 से 04.03.2025
- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 05.03.2025 से 06.03.2025
- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 07.03.2025 से 08.03.2025
- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 10.03.2025 से 11.03.2025

अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

तालिका

- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 12.03.2025 से 13.03.2025
- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 17.03.2025 से 18.03.2025
- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 19.03.2025 से 20.03.2025
- मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम (Refresher Course) - पाठ्यक्रम की अवधि: 24.03.2025 से 25.03.2025
- नाबार्ड की सॉफ्टकॉब योजना के तहत एससीबी/डीसीसीबी के प्रबंधकों/सहायक प्रबंधकों के लिए एनपीए, रिकवरी प्रबंधन और बैंकिंग के कानूनी पहलुओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- नाबार्ड की सॉफ्टकॉब योजना के तहत एससीबी/डीसीसीबी के प्रबंधकों/सहायक प्रबंधकों के लिए व्यवसाय विकास, लाभ योजना और विविधीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- नाबार्ड की सॉफ्टकॉब योजना के तहत एससीबी/डीसीसीबी के प्रबंधकों/सहायक प्रबंधकों के लिए केवाईसी, पीएमएल और ग्राहक सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कृषक उत्पादक संगठन (FPO) के निदेशक मंडल, सीईओ एवं अकाउंटेंट के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

मत्स्य पालन ६-दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

विवरण

मत्स्य पालन पर ६-दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उन्नत मत्स्य पालन तकनीकों और प्रबंधन में प्रशिक्षित करना है। यह कार्यक्रम किसानों को मत्स्य पालन से अधिक उत्पादन और आय प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

उद्देश्य:

किसानों को वैज्ञानिक और व्यवसायिक मत्स्य पालन के तरीकों की जानकारी देना। जल प्रबंधन, मछलियों का प्रजनन, पोषण और रोग नियंत्रण की जानकारी प्रदान करना। किसानों को मत्स्य पालन को एक लाभदायक व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

प्रशिक्षण विषय:

- तालाब तैयार करना और जल गुणवत्ता प्रबंधन।
- मछलियों की प्रजातियों का चयन और प्रजनन तकनीक।
- मछलियों का पोषण और खाद्य प्रबंधन।
- सामान्य रोग और उनका निदान।
- मत्स्य पालन के लिए सरकारी योजनाओं और सहायता की जानकारी।

लाभार्थी:

विशेष रूप से मत्स्य पालन में रूचि रखने वाले ग्रामीण किसान एवं छोटे और मध्यम आकार के मत्स्य पालक। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को मत्स्य पालन के व्यवसाय में आत्मनिर्भर और कुशल बनने में मदद करता है।

मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु प्रत्यास्मरण कार्यक्रम

विवरण

"प्रत्यास्मरण कार्यक्रम" (Refresher Training Programme) एक ऐसा प्रशिक्षण कार्यक्रम होता है जिसका उद्देश्य पहले से कार्यरत अधिकारियों का ज्ञान एवं कौशल मे अद्यतन करना तथा उन्हें नई जानकारियों एवं नीतियों से अवगत करना।
यह कार्यक्रम मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों (Chief / Senior / Cooperative Extension Officers) के लिए आयोजित किया जाता है, जो सहकारी संस्थाओं के विकास, संचालन और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उद्देश्य:

- सहकारी संस्थाओं को प्रभावशाली ढंग से संचालित करने में सहायता देना।
- पदाधिकारियों को नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करना।
- नवीनतम सरकारी योजनाओं, डिजिटलीकरण, और प्रबंधन तकनीकों की जानकारी देना।
- कार्य में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना।

प्रशिक्षण विषय:

- सहकारी अधिनियम और कानूनी प्रावधान
- लेखा परीक्षा और वित्तीय प्रबंधन
- सहकारी बैंकों और संस्थाओं की भूमिका
- ई-गवर्नेंस और MIS सिस्टम की जानकारी
- ग्रामीण विकास में सहकारिता का योगदान
- सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन

लाभार्थी:

- अधिकारी नवीनतम ज्ञान से लैस होते हैं।
- उनकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है।
- वे क्षेत्र में बेहतर मार्गदर्शन और निगरानी कर सकते हैं।
- सहकारी संस्थाएं ज्यादा सक्षम और पारदर्शी बनती हैं।

नाबार्ड की सॉफ्टकॉब योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम

विवरण

नाबार्ड की सॉफ्टकॉब योजना (SOFTCOB Scheme) के अंतर्गत राज्य सहकारी बैंक (SCB) और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (DCCB) के प्रबंधकों / सहायक प्रबंधकों के लिए जो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसका उद्देश्य सहकारी बैंको की संरचना, एनपीए, रिकवरी प्रबंधन पर आधारित होती है।

उद्देश्य:

1. एनपीए (Non-Performing Assets) की बेहतर पहचान, वर्गीकरण और प्रबंधन।
2. ऋण वसूली (Loan Recovery) की रणनीतियों का पालन।
3. बैंकिंग से जुड़े कानूनी पहलुओं जैसे SARFAESI Act, DRT प्रक्रिया, और परिसंपत्ति वसूली के कानूनी तरीके समझाना।
4. सहकारी बैंकों के प्रबंधकों और सहायक प्रबंधकों को व्यावहारिक ज्ञान देना ताकि वे कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

प्रशिक्षण विषय:

- एनपीए की पहचान और वर्गीकरण
- वसूली प्रबंधन (Recovery Management)
- बैंकिंग के कानूनी पहलू:
- साइबर सुरक्षा और डिजिटल बैंकिंग से जुड़े जोखिम

लाभार्थी:

- प्रबंधकों की वित्तीय अनुशासन और जोखिम प्रबंधन में दक्षता बढ़ेगी।
- ऋण वसूली दर में सुधार होगा।
- एनपीए को प्रभावी रूप से कम किया जा सकेगा।
- कानूनी प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान मिलेगा।
- बैंकों की साख और संचालन क्षमता में वृद्धि होगी।

दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

तालिका

रक्षा कर्मियों के लिए महानिदेशालय पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत जारी सर्टिफिकेट कोर्स:

- **फायर एंड सेफ्टी पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रम की अवधि: 10.02.25 से 27.06.25):** "फायर एंड सेफ्टी" प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, महानिदेशालय पुनर्वास (DGR), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से सेवानिवृत्त या सेवानिवृत्ति की ओर अग्रसर रक्षा कर्मियों के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम 10 फरवरी 2025 से 27 जून 2025 तक संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को अग्निशमन, औद्योगिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दक्ष बनाना है, ताकि वे नागरिक जीवन में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

- **स्टॉक मार्केटिंग पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रम की अवधि: 10.03.25 से 13.06.25):** "स्टॉक मार्केटिंग" प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन महानिदेशालय पुनर्वास (DGR) द्वारा प्रायोजित एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से सेवानिवृत्त अथवा सेवानिवृत्ति की तैयारी कर रहे रक्षा कर्मियों के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम 10 मार्च 2025 से 13 जून 2025 तक संचालित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को शेयर बाज़ार, निवेश की रणनीतियाँ, ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय निर्णयों से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है, ताकि वे इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें और चाहें तो इसे एक वैकल्पिक करियर या अतिरिक्त आय स्रोत के रूप में अपनाएं।

- **साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रम की अवधि: 13.01.25 से 18.04.25):** "साइबर सिक्योरिटी" प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन महानिदेशालय पुनर्वास (DGR) द्वारा प्रायोजित एक तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से सेवानिवृत्त अथवा सेवानिवृत्ति की ओर अग्रसर रक्षा कर्मियों के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम 13 जनवरी 2025 से 18 अप्रैल 2025 तक संचालित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं जैसे कि नेटवर्क सुरक्षा, डेटा प्रोटेक्शन, एथिकल हैकिंग, साइबर अपराध की रोकथाम, और डिजिटल सुरक्षा उपायों की व्यावहारिक जानकारी देना है, ताकि वे इस उभरते क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसरों का लाभ उठा सकें।

अन्य गतिविधियां

तालिका

- संस्थान में दिनांक: 05.03.2025 को डॉ. प्रेम कुमार, माननीय मंत्री, सहकारिता विभाग, बिहार सरकार का आगमन हुआ |

- डीएनएस आरआईसीएम, पटना ने 07.03.2025 को मोतिहारी, बिहार में रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित डीजीआर ईएसएम जॉब फेयर में भाग लिया।

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2025) के अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा "महिला सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका" पर एक जीवंत सत्र का आयोजन किया गया।

- संस्थान में आयोजित कृषक उत्पादक संगठन के निदेशक मंडल, सीईओ एवं अकाउंटेंट के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह (दिनांक 18.03.2025) में संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

- 21.03.2025 को उन्नीस आईएएस प्रशिक्षुओं ने डीएनएस आरआईसीएम, पटना का दौरा किया और एफपीओ कार्यक्रम के प्रशिक्षुओं के साथ संवाद किया।

- डीएनएस आरआईसीएम, पटना ने 21.03.2025 को दानापुर, बिहार में रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित डीजीआर ईएसएम जॉब फेयर में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां

तालिका

- बिहार उद्यमी संघ की ओर से आयोजित 12 वें बिहार उद्यमिता सम्मेलन का उद्घाटन श्री नीतीश मिश्रा, माननीय उद्योग मंत्री, बिहार सरकार ने दिनांक 21.03.2025 को ज्ञान भवन, पटना में किया, जिसमे संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन ने भाग लिया |

स्टार्टअप के विकास के लिए नीतियों में बदलाव से भी परहेज नहीं, बिहार का विकास हो रहा : नीतीश मिश्रा

बिहार उद्यमिता सम्मेलन

पटना| उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार में स्टार्टअप के विकास के लिए अगर जरूरत पड़ी तो नीतियों में बदलाव से भी परहेज नहीं है। वे ज्ञान भवन में बिहार उद्यमी संघ की ओर से आयोजित उद्यमिता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार उद्योगों के विकास के लिए सकारात्मक सोच के साथ हरसंभव कदम उठा रही है। इससे बिहार का मजबूत आर्थिक विकास हो रहा है। बिहार का बजट 2005 में 23 हजार

स्टार्टअप के लिए काफी अच्छी जमीन तैयार की जा सकती है। इससे पलायन पर काबू पाने में भी मदद मिलेगी।

17 स्टार्टअप सम्मानित

पंकज कुमार, अनिल कुमार, प्रिंस शुक्ला, समर अकरूज, भूपेश कुमार आकाश, संत कुमार, नरेंद्र मिश्रा आंचल कुमारी, अर्पित किशन, रूकेश कुमार, अमान अली, मनिंदर सिंह, निरंजन सिंह, सुजीत

- “त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय” के माध्यम से सहकारिता के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार होगा, जिससे मानव संसाधन की दक्षता बढ़ाने के साथ कार्यकुशलता भी बढ़ेगी | देशभर में सहकारिता के क्षेत्र में दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों और संस्थागत सुधारों का सशक्त नेटवर्क स्थापित होगा।

- संस्थान पर दिनांक 28.03.2025 को मेदांता हॉस्पिटल, पटना द्वारा संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए नियमित चिकित्सा जांच का आयोजन किया गया।

- हिंदी कार्यशाला में राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली कार्यालय के अधीनस्थ सभी संस्थानों के निदेशकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन दिनांक 28.03.2025 को किया गया, जिसमे संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन एवं संबंधित अधिकारीयों/कर्मचारियों ने भाग लिया | जिसका विषय "संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण एवं भरी जाने वाली निरीक्षण प्रश्नावली पर चर्चा" था |

- दिनांक: 30.03.25 को पटना के बापू सभागार में डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना के परिसर में नवनिर्मित छात्रावास भवन का उद्घाटन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार श्री अमित शाह जी के कर कमलों द्वारा किया गया| इस अवसर पर संस्थान के निदेशक द्वारा सहकारी समितियों के लोगो को संबोधित किया |

अन्य गतिविधियां ~ १

संस्थान में दिनांक: 05.03.2025 को डॉ. प्रेम कुमार, माननीय मंत्री, सहकारिता विभाग, बिहार सरकार ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक एवं सहकारिता से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन किया।

उनके स्वागत हेतु संस्थान के निदेशक, संकाय सदस्य, एवं कर्मचारियों द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक एवं सहकारिता से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन किया तथा एक संक्षिप्त संवाद सत्र में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी।

अन्य गतिविधियां ~ २

संस्थान ने 07.03.2025 को मोतिहारी, बिहार में रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित डीजीआर ईएसएम जॉब फेयर में भाग लिया।

इस रोजगार मेले का आयोजन पूर्व सैनिकों (Ex-Servicemen) के लिए किया गया था, जिसका उद्देश्य उन्हें पुनः रोजगार के अवसर प्रदान करना और उनके कौशल का नागरिक क्षेत्रों में उपयोग सुनिश्चित करना है। डीएनएस आरआईसीएम, पटना ने इस अवसर का उपयोग करते हुए संस्थान की विभिन्न प्रशिक्षण योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों, सहकारी संस्थाओं से जुड़ने के अवसरों और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली पहलों की जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की।

अन्य गतिविधियां ~ ३

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2025) के अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा "महिला सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका" पर एक जीवंत सत्र का आयोजन किया गया।

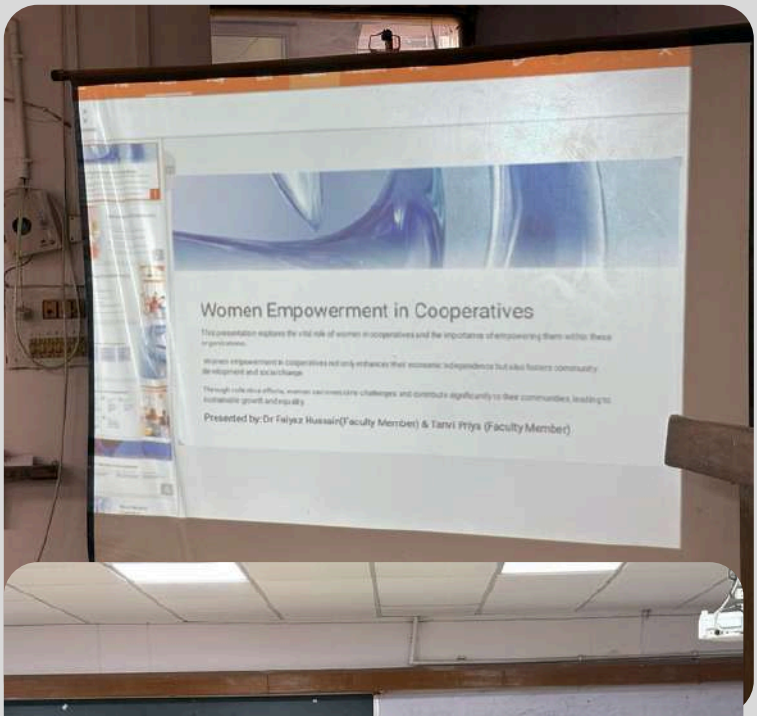

इस अवसर पर संकाय सदस्यों ने सहकारिता के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में अपने विचार साझा किए। सत्र में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले प्रेरक उदाहरणों और प्रकरण अध्ययन (Case Study) पर चर्चा की गई। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अन्य गतिविधियां ~ ४

संस्थान में आयोजित कृषक उत्पादक संगठन के निदेशक मंडल, सीईओ एवं अकाउंटेंट के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह (दिनांक 18.03.2025) में संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए एफपीओ मॉडल की उपयोगिता और प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और भविष्य में उनके सफल क्रियान्वयन की शुभकामनाएँ दीं। समारोह का वातावरण उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा।

अन्य गतिविधियां ~ ५

21.03.2025 को उन्नीस आईएएस प्रशिक्षुओं ने हमारे संस्थान (डीएनएस आरआईसीएम, पटना) का दौरा किया और एफपीओ कार्यक्रम के प्रशिक्षुओं के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर उन्होंने एफपीओ प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे प्रशिक्षुओं के साथ संवाद कर उनकी गतिविधियों, अनुभवों एवं चुनौतियों को समझने का प्रयास किया। संवाद सत्र में एफपीओ के क्रियान्वयन, विपणन रणनीतियों, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इसके योगदान पर विचार-विमर्श हुआ। यह संवाद नीतिगत समझ और जमीनी वास्तविकताओं के बीच एक सार्थक सेतु के रूप में कार्यकारी सिद्ध हुआ।

अन्य गतिविधियां ~ ६

संस्थान ने रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 21.03.2025 को दानापुर, बिहार में डीजीआर ईएसएम जॉब फेयर में भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने किया। इस अवसर पर मेजर जनरल एस.बी.के सिंह, डॉ. नितेन चंद्रा, आईएएस, सचिव (ईएसडब्ल्यू) तथा डीजीआर के अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस रोजगार मेले का आयोजन पूर्व सैनिकों (Ex-Servicemen) के लिए किया गया था, जिसका उद्देश्य उन्हें पुनः रोजगार के अवसर प्रदान करना और उनके कौशल का नागरिक क्षेत्रों में उपयोग सुनिश्चित करना था। डीएनएस आरआईसीएम, पटना ने इस अवसर का उपयोग करते हुए संस्थान की विभिन्न प्रशिक्षण योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों, सहकारी संस्थाओं से जुड़ने के अवसरों और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली पहलों की जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की।

अन्य गतिविधियां ~ ७

“त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय” के माध्यम से सहकारी क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार होगा, जिससे मानव संसाधन की दक्षता बढ़ाने के साथ देशभर में सहकारिता के क्षेत्र में दीर्घावधि पाठ्यक्रमों और संस्थागत सुधारों का सशक्त नेटवर्क स्थापित होगा।

डॉ. के. पी. रंजन, निदेशक

संकाय सदस्य

प्रशिक्षणार्थी

लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 के पारित होने के अवसर पर संस्थान के निदेशक, संकाय सदस्य और प्रतिभागियों द्वारा संदेश दिये गए। इन संदेश में सभी ने अपने विचार, प्रतिक्रियाएँ इस ऐतिहासिक क्षण के महत्व को साझा किया। यह पहल सहकारी क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन, शिक्षा तथा संस्थागत विकास को लेकर उनकी उत्सुकता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अन्य गतिविधियां ~ ८

बिहार   नई दिल्ली, शनिवार 22 मार्च 2025   07

12वां बिहार उद्यमिता सम्मेलन में बिहार के हर ब्लॉक के उद्यमियों को किया सम्मानित

उद्योग मंत्री ने कहा BEA सुझाव दे तो उद्यमियों के लिए नीतियों में संशोधन किया जाएगा

उत्तम भारत संवाददाता

पटना। आज बिहार उद्यमिता सम्मेलन का आज भव्य स्वागत ज्ञान भवन पटना में हुआ आज इस सम्मेलन में एक ब्लॉक एक उद्यमी मिशन का शुरुआत हुई जिसमें बिहार से आए हुए 5.34 ब्लॉक की युवा उद्यमी महिला उद्यमी को प्रखंड स्तरीय उत्कृष्ट व्यवसाय एवं स्टार्टअप करने हेतु उन्हें सम्मानित किया गया।

यह वाकई एक ऐतिहासिक पल था बिहार जैसे पिछड़ा राज्य में इस तरह का स्टार्टअप इकोसिस्टम एवं रूरल डेवलपमेंट को ध्यान रखते हुए गांव-गांव तक के उद्यमी शामिल हुए इससे बिहार के आर्थिक व्यवस्था में वाकई एक सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। बिहार उद्यमिता सम्मेलन में बिहार के पांच स्टार्टअप को 67 लाख की राशि का चेक माननीय उद्योग मंत्री द्वारा दिया गया, जो कि भारत सरकार के मिट्टी 2.0 टाइट स्कीम के द्वारा इन स्टार्टअप्स को मिला। मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग मंत्री माननीय श्री नीतीश मिश्रा जी, साथ ही श्री शशांक प्रिया मेंबर का सेंट्रल बोर्ड इनडायरेक्ट टैक्स, भारत सरकार, बीके सिन्हा सीजी नाबार्ड, श्री पंकज सिंह प्रेसिडेंट बिहार उद्यमी संघ, डॉ के पी रंजन डायरेक्ट छझरु ऋझुरू भारत सरकार, श्री अभिषेक कुमार प्रेसिडेंट भारतीय उद्यमी संघ मिलकर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभकिया। माननीय उद्योग मंत्री

आज 2025 में यह बजट 317000 करोड़ का हो चुका है जिसे बिहार का आर्थिक विकास में बहुत ही मजबूती मिल रहा है सरकार बिहार के उद्योगों के लिए हर कदम सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है और इन्होंने बिहार उद्यमी संघ के कार्य को बहुत ही सराहना किया कि ब्लॉक स्तर पर उद्यमियों के साथ इस तरह का सम्मेलन से बिहार के आर्थिक विकास में बहुत मदद मिलेगी। साथ ही उन्होंने बिहार उद्यमिता सम्मेलन के इस मंच से उद्योग मंत्री ने आश्वासन दिया कि स्टार्टअप इकोसिस्टम में किसी भी तरह का पॉलिसी में परिवर्तन की जरूरत है तो आप सब सरकार को जरूर सुझाव दें, सरकार उस पर जरूर सुनवाई एवं संशोधन करेगी। श्री शशांक प्रिया ने कहा की बिहार में माइग्रेशन एक प्रमुख समस्या है और रूरल डेवलपमेंट के जरिए हम लोग माइग्रेशन को कम कर सकते हैं क्योंकि बिहार की आबादी 14 करोड़ के आसपास है और यहां का बाजार बहुत बड़ा है तो अगर यहां के ग्रामीण स्तर पर उत्पाद तैयार होते है उसकी खपत बिहार के ग्रामीण स्तर पर ही हो जाएगी जिसे इकोनॉमी को मजबूती मिलेगी और साथ में यहां के स्टार्टअप्स को आगे चढ़ने का असीम संभावनाएं है साथी बिहार उद्यमी संघ के कार्य की बहुत ही सराहना किया। साथी सभी

का परिवर्तन का सराहना किया विशेष कर बिहार उद्यमी संघ के प्रयास को काबिले तारीफ बताया गया। श्री अभिषेक कुमार भारतीय उद्यमी संघ के अध्यक्ष ने अपनी बातों में कहा की कैसे बिहार में एक सोच लेकर 2012 में बिहार उदय मिशन की बुनियाद रखी गई हर साल सम्मेलन में कुछ नया कार्य किया गया 2016 में स्टार्टअप पॉलिसी मुख्यमंत्री द्वारा, कोरोना कल के बाद कृषि क्षेत्र में सकारात्मक प्रयास कृषि संवाद कार्यक्रम के द्वारा एग्री स्टार्टअप की बढ़ोतरी हुई है इस सारे मुद्दों पर विस्तार से अपनी बातें रखी। साथी ही 17 स्टार्टअप पंकज कुमार, अनिल कुमार, प्रिंस शुक्ला, समर अफजल, भूपेश कुमार आकाश, संत कुमार, नरेंद्र मिश्रा आंचल कुमारी, अर्पित किशन, राकेश कुमार, अरमान अली, मनिंदर सिंह, निरंजन सिंह, सुजीत कुमार, छोटू कुमार झा, मृत्युंजय कुमार एवं कृपा शंकर शरण को बिहार एंटरप्रेन्योरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया । इस तरह के सम्मेलन में पूरे बिहार भर से आए हुए हजारों हजार की संख्या में उद्योमियो का तहे दिल से धन्यवाद दिया गया। ऐसा सकारात्मक ऊर्जा देखा गया कि उद्यमी किशनगंज से पूर्णिया से जो की बहुत ही दूरगामी जिला है राजधानी पटना से रात-रात भर की सफर करके उद्यमी यहां पहुंचे कर भाग लिया। इस सम्मेलन में अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों ने भाग लिया जिन्होंने अपना स्टॉल लगाया जिसमें पे ऐंड फ़िनटेक, गो फॉर एड, आलोका कैंडल्स, भारतीय कृषि, चिकन वाला, खेती-बाड़ी, ...

बिहार उद्यमी संघ की ओर से आयोजित 12 वें बिहार उद्यमिता सम्मेलन का उद्घाटन श्री नीतीश मिश्रा, माननीय उद्योग मंत्री, बिहार सरकार ने दिनांक 21.03.2025 को ज्ञान भवन, पटना में किया।

माननीय मंत्री जी ने पांच स्टार्टअप को 67 लाख रुपये की राशि का चेक वितरित किया, यह राशि स्टार्टअप को केन्द्र सरकार के मिट्टी 2.0 (MeitY 2.0) आइट स्कीम द्वारा दी गई ।

कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में सेंट्रल बोर्ड आफ इनडायरेक्ट टैक्स के सदस्य श्री शशांक प्रिया, नाबार्ड के सीजीएम श्री बी के सिन्हा, उद्यमी संघ के प्रेसिडेंट श्री पंकज सिंह, भारतीय उद्यमी संघ के प्रेसिडेंट श्री अभिषेक कुमार एवं संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन किया एवं सम्बोधित किया। कार्यक्रम में युवा उद्यमी एवं महिला उद्यमी को स्टार्टअप के लिए सम्मानित भी किया गया।

स्टार्टअप इको सिस्टम की नीति में जरूरत पर बदलाव संभव

बीईए की ओर से बिहार उद्यमिता सम्मेलन का शुभारंभ करते अतिथि ● जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : बिहार में उद्योग विभाग का बजट लगातार बढ़ रहा है। उद्योगों के लिए हर कदम सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। स्टार्टअप इकोसिस्टम में किसी तरह के पालिसी चेंज की जरूरत है तो आप इसकी जानकारी सरकार को दें। सरकार जरूरत के अनुसार बदलाव करेगी। यह बातें ...

... का चेक वितरित किया। यह राशि भारत सरकार के मिट्टी 2.0 टाइट स्कीम के तहत इन स्टार्टअप को दी गयी है। कार्यक्रम का शुभारंभ उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा, सेंट्रल बोर्ड आफ इनडायरेक्ट टैक्स के सदस्य शशांक प्रिया, नाबार्ड के सीजीएम बीके सिन्हा, उद्यमी संघ के प्रेसिडेंट पंकज सिंह, डीएनएस निदेशक डा.

अन्य गतिविधियां ~ ९

संस्थान पर दिनांक 28.03.2025 को मेदांता हॉस्पिटल, पटना द्वारा संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए नियमित चिकित्सा जांच का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना था। मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने रक्तचाप, शर्करा स्तर, शरीर का तापमान और अन्य सामान्य स्वास्थ्य जांचें कीं। यह पहल संस्थान की स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है और कर्मचारियों तथा प्रशिक्षणार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

अन्य गतिविधियां ~ १०

हिंदी कार्यशाला में राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली कार्यालय के अधीनस्थ सभी संस्थानों के निदेशकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन दिनांक 28.03.2025 को किया गया, जिसमे संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन एवं संबंधित अधिकारीयों/कर्मचारियों ने भाग लिया। जिसका विषय "संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण एवं भरी जाने वाली निरीक्षण प्रश्नावली पर चर्चा" था।

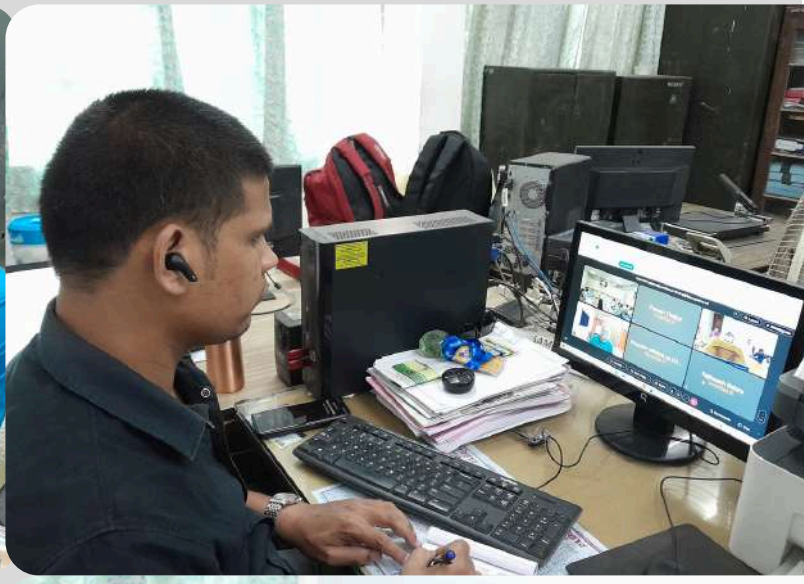

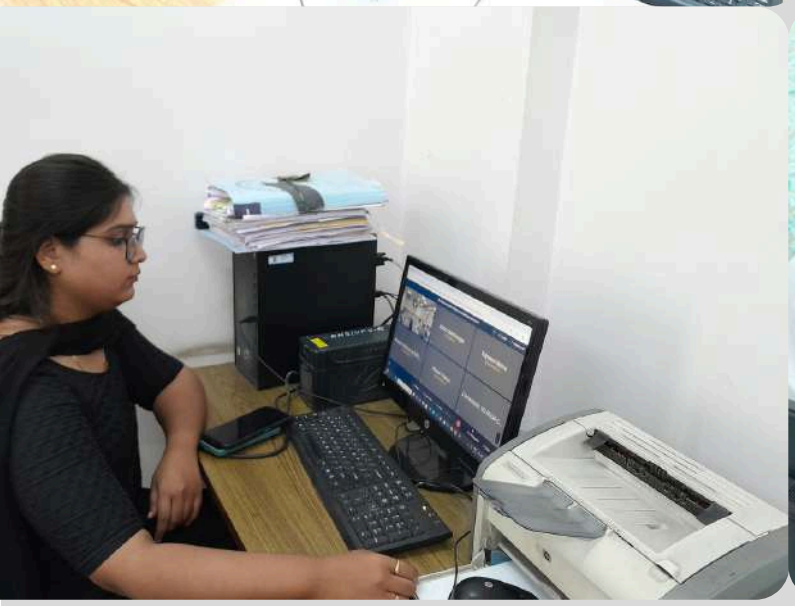

संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन और संबंधित अधिकारीगण/कर्मचारी भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित रहे, जिसमें संसदीय राजभाषा निरीक्षण से संबंधित पहलुओं पर गहन चर्चा की गई।

अन्य गतिविधियां ~ ११- क

दिनांक: 30.03.25 को पटना के बापू सभागार में डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना के परिसर में नवनिर्मित छात्रावास भवन का उद्घाटन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार श्री अमित शाह जी के कर कमलों द्वारा किया गया, जो सहकारी प्रबंधन की शिक्षा और प्रशिक्षण को सुदृढ़ करेगा ।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने इस सम्मलेन की अध्यक्षता की । विशिष्ट अतिथि श्री नित्यानंद राय, माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार, गरिमामयी उपस्थिति श्री सम्राट चौधरी, माननीय उप मुख्यमंत्री, बिहार, श्री विजय कुमार सिन्हा, माननीय उप मुख्यमंत्री, बिहार, डॉ. प्रेम कुमार माननीय मंत्री, सहकारिता विभाग , बिहार सरकार, श्रीमति रेणु देवी, माननीय मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार, श्री नीतीन नवीन, माननीय मंत्री, पथ निर्माण विभाग, बिहार सरकार, श्री जिवेश कुमार, माननीय मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार भी उपस्थित रहे ।

इस अवसर पर राज्य स्तरीय सहकारी सम्मलेन में संस्थान के निदेशक डॉ. के. पी. रंजन द्वारा सम्बोधन किया गया ।

उद्घाटन समारोह में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, और यह कार्यक्रम संस्थान के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

अन्य गतिविधियां ~ ११ - ख

Ministry of Cooperation, Government of India

Favorites · March 30 at 12:53 PM ·

आज माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री Amit Shah ने पटना, बिहार में सहकारिता को सशक्त बनाने वाली विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:

1. विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत 62,500 MT भंडारण क्षमता वाले 25 पैक्स गोदामों का शिलान्यास, जिससे कृषि उपज के सुरक्षित भंडारण को बढ़ावा मिलेगा।

2. दीप नारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना में नवनिर्मित छात्रावास भवन का लोकार्पण, जो सहकारी प्रबंधन की शिक्षा और प्रशिक्षण को सुदृढ़ करेगा।

3. समेकित सहकारी विकास परियोजना के अंतर्गत एक मखाना प्रोसेसिंग सेंटर-सह-थोक/खुदरा विक्रय स्टॉल एवं 11 नए गोदामों का लोकार्पण, जिससे मखाना उत्पादन और विपणन को नई दिशा मिलेगी।

4. अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में नए वेब पोर्टल का लोकार्पण, जो सहकारी संगठनों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने में सहायक होगा।

Ministry of Cooperation, Government of India

Favorites · March 30 at 12:51 PM ·

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री Amit Shah द्वारा सहकारिता से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं के तहत विभागवार लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से लाभ वितरित किया गया।

"सहकार से समृद्धि" की दिशा में लाभार्थियों ने दुग्ध समितियों के गठन, पैक्स के कम्प्यूटरीकरण, ग्रामीण ऋण सहायता, CSCs की स्थापना और जन औषधि केंद्रों के विस्तार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया।

अन्य गतिविधियां ~ ११ - ग

नवनिर्मित छात्रावास जिसका उद्घाटन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार श्री अमित शाह जी के द्वारा किया गया |

उद्घाटन समारोह में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, और यह कार्यक्रम संस्थान के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

सामूहिक छायाचित्र ~ १

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
नालन्दा जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 24.02.2025 से 01.03.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुजफ्फरपुर जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 24.02.2025 से 01.03.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
सीतामढ़ी जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 03.03.2025 से 08.03.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
पूर्वी चम्पारण जिला के मत्स्यपालकों हेतु 06–दिवसीय मत्स्य पालन पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 03.03.2025 से 08.03.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
पश्चिमी चम्पारण जिला के मत्स्यपालकों हेतु 6–दिवसीय "मत्स्य पालन" पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम" (दिनां 17.03.2025 से 22.03.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
वैशाली जिला के मत्स्यपालकों हेतु 6–दिवसीय "मत्स्य पालन" पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम" (दिनांक 17.03.2025 से 22.03.2025 तक)

सामूहिक छायाचित्र ~ २

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
सारण जिला के मत्स्यपालकों हेतु 6–दिवसीय "मत्स्य पालन" पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम" (दिनांक 24.03.2025 से 29.03.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
गोपालगंज जिला के मत्स्यपालकों हेतु 6–दिवसीय "मत्स्य पालन" पर आयोजित
तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम" (दिनांक 24.03.2025 से 29.03.2025 तक)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 03.03.2025 से 04.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 03.03.2025 से 04.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 05.03.2025 से 06.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 05.03.2025 से 06.03.2025)

सामूहिक छायाचित्र ~ ३

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 07.03.2025 से 08.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 07.03.2025 से 08.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 10.03.2025 से 11.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 10.03.2025 से 11.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 12.03.2025 से 13.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य / वरीय / सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 12.03.2025 से 13.03.2025)

सामूहिक छायाचित्र ~ ४

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 17.03.2025 से 18.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 17.03.2025 से 18.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 19.03.2025 से 20.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 19.03.2025 से 20.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 24.03.2025 से 25.03.2025)

डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना – 23
मुख्य/वरीय/सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु 2–दिवसीय "प्रत्यास्मरण पाठ्यक्रम"
(दिनांक 24.03.2025 से 25.03.2025)

सामूहिक छायाचित्र ~ ५

D.N.S Regional Institute of Cooperative Management, Patna - 23
Training programme on "NPA, Recovery Management and Legal Aspects of Banking"
for the officers/personnel of SCB/DCCBs (27.02.2025 to 01.03.2025)

D.N.S Regional Institute of Cooperative Management, Patna - 23
Training programme on "Business Development, Profit Planning and Diversification"
for the officers/personnel of SCB/DCCBs (03.03.2025 to 05.03.2025)

D.N.S Regional Institute of Cooperative Management, Patna - 23
Training programme on "KYC, PML and Customer Protection" for the
officers/personnel of SCB/DCCBs (06.03.2025 to 08.03.2025)